समग्र विकास संस्थान, रोटा बदायूं

वार्षिक रिपोर्ट

01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक

प्रशासिनक कायालय :- 479/11 11 C/O हरीश कोचर, मो० कृणापुरी सिविल लाइन्स, बदायूं मो० न० :- +91-9412048476, 9412048476, EMAIL :- svsvo.org@gmail.com

भूमिका :- उत्तर प्रदेश राज्य के मुख्य शहर में से एक बदायूं जो राज्य का महत्वपूर्ण जिला है ! बदायूं जिला उत्तर प्रदेश के रुहेलखण्ड में स्थित है जिसमे बदायूं के साथ–साथ बरेली, पीलीभीत शाहजहांपुर, मुरादाबाद, सभल, अमरोहा, रामपुर व बिजनौर जिले शामिल है ! बदायूं ज़िला गंगा नदी क सहायक नदी सोत नदी के समीप स्थित है, क्षेत्र फल की द्रष्टि से जिला बदायूं 4,234.21 Sq.Km. में फैला हुआ है ! जनपद में कुल 15 ब्लॉक है, इनमे कुल 1038 ग्राम पंचायत के 1474 गाँव है ! जनपद बदायूं की कुल आबादी 39,81,996 है, जिसमे 20,77,753 पुरुष तथा 19,04,243 महिलाएं है ! जनपद में बोली जाने वाली भाषा हिंदी है तथा यहाँ क कुल साक्षरता दर 52.27% है !

परिचय :- समग्र विकास संस्था (SVS) एक बाल अधिकार संस्था है जो वंचित समुदाय के बीच सामुदायिक जागरूकता के साथ–साथ के समस्त बालधिकार पर कार्य कर रही है, संस्था जागरुकता बैठक व सामदायिक गोष्ठी के माध्यम से लोग को स्वेक्षिक सेवा दे रही है ! सन 1998 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत समग्र विकास संस्थान का रजिस्ट्रेशन करवाया गया है, संस्था का ज़मीनी सम्बन्ध जनपद बदायूं से है ! संस्था NGO दर्पण , FCRA, व ITAct 12(A) में भी पंजीकृत है ! संस्था की स्थापना जनपद बदायूं के एक छोटे से ग्राम रोटा ब्लॉक बजीरगंज के रहने वाले राजकुमार शर्मा जी के द्वारा की गई !

विजन :- सामाजिक उन्नति के लिए न्याय और समानता से परिपूर्ण समाज की स्थापना करना!

मिशन :- सम्पूर्ण सामाजिक उन्नति के लिए लोगों को संगठित कर सशक्त बनाना ताकि वह अपने अधिकार को सुनिश्चित कर सके !

सहयोगी एवं सहायक एजेंसी :- • क्राई–चाइड राइटस एड यू, अमेरिका • जिव दया फाउंडेशन !

संस्था का लक्षित कार्यक्षेत्र :- • " क्राई " के सहयोग से जनपद बदायूं के 2 ब्लॉक (उझानी+उसावां) के 22 में बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा के लिए कार्यरत है ! ब्लॉक उझानी के अन्तर्गत 09 गाँव और ब्लॉक उसावां के अन्तर्गत 13 गाँव में संस्था कार्यरत है ! • "जिव दया फाउंडेशन" के सहयोग से बलॉक उसावां के 5 ग्रामों में बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण के मुद्दे पर कार्यरत है!

संस्था द्वारा समुदाय स्तर पर किये गए कार्य :--

विद्यालय प्रबन्धन सिमित (SMC) के साथ की गई पहल :- संस्था कार्यक्षेत्र के परषदीय विद्यालय में एस एम् सी के सदस्यों के सक्रियकरण के लिए समय–समय पर बैठक के माध्यम से उनका क्षमता वर्धन किया गया, जिसमे लोगों को बताया गया परिषदीय विद्यालय के सुचारू रूप से संचालन के लिए विद्यालय प्रबन्धन सिमित का गठन कया है!

सिमित का दायित्व है कि हर माह सभी

सदस्य मिलकर विद्यालय स्तर पर अपनी एक बैठक आयोजित करें जिसमे विद्यालय से सम्बंधित सभी मुद्दों पर एक दूसरे के साथ चर्चा कर उन पर साथ मिलकर कार्य भी करें!

SMC सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वह समय समय पर आकर अध्यापक गण से

मिलकर बच्चों के ठहराव, शिक्षा की गुणवत्ता, MDM की गुणवत्ता, विद्यालय के आय-व्यय आदि के मुद्दे पर बात करें और इस दौरान यदि कोई समस्या आती है तो विद्यालय में होने वाली मासिक बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष इस बात को रखें और समस्या के समाधान पर पहल के लिए चर्चा करें! सभी को जानकारी दी गई कि यदि फिर भी समस्या के समाधान के लिए पहल नही की जा रही है तो आप सभी मिलकर लिखित रूप से BSA/ABSA से संपर्क कर समस्या से अवगत करा सकते हैं !

कार्यक्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में नवीन SMC का गठन करवाना :- कार्यक्षेत्र के विद्यालयों में SMC का कार्यकाल पूर्ण होने पर संस्था टीम के साथियों ने विद्यालय के अध्यापकों से बात की और SMC के पुनर्गठन के लिए पहल की ! संस्था टीम द्वारा पूर्व की भांति SMC गठन में संस्था द्वारा सहयोग किये जाने की बात की ! सभी को बताया की पूर्व में BSA द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसमे विद्यालय प्रबन्धन समिति के गठन में समग्र विकास संस्थान के साथियों से सहयोग किये जाने की बात की गई थी ! इसी बात को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम टीम द्वारा गाँव के सक्रिय सदस्यों की चिन्हित किया गया और विद्यालय के अध्यापकों को उन सदस्यों को smc में शामिल करने की बात की, जिससे समिति में सक्रिय सदस्य शामिल हो और वे बच्चों की शिक्षा व विद्यालय की व्यवस्था में सहयोग करें ! विद्यालय के अध्यापकों ने भी संस्था के सदस्यों की बात को समझा और उनके बताये हुए सुझाव के आधार पर SMC का पुनर्गठन किया और सदस्यों में बदलाव किया ! संस्था टीम द्वारा 23 विद्यालयों में से 18 विद्यालयों में नवीन विद्यालय प्रबन्धन समिति का गठन करवाया !

कार्यक्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में नवीन SMC की नियमित बैठकें करवाना :- कार्यक्षेत्र के परीषदीय विद्यालयों में एस० एम० सी बेठको का नियमित आयोजन कराने के लिए संस्था टीम द्वारा विगत वर्ष B.S.A से मिलकर कार्यक्षेत्र के विधायालो में नियमित बैठके आयोजित कराने के लिए आदेश जारी करने की बात ! संस्था टीम की बात को संज्ञान में लेते हुए BSA द्वारा न केवल कार्यक्षेत्र के विधालय बल्कि समस्त जनपद के परिषदीय विधालय में नियमित SMC की बैठकें आयोजित करवाने का आदेश पारित किया था !

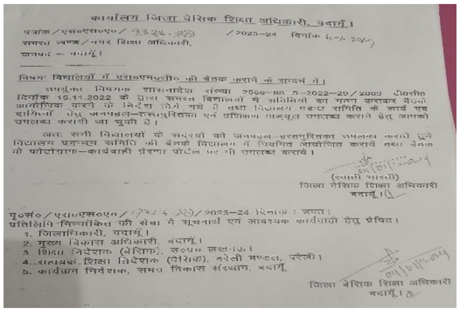
कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बदायूँ।

पत्रांक/एस०एस०ए०/ /2023-24 दिनांक

समस्त खण्ड/नगर शिक्षा अधिकारी,

जनपद – बदायूँ।

विषय: विद्यालयों में एस०एम०सी० की बैठक कराने के सन्दर्भ में।

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 2569-68-5-2022-29/2009 टी०सी० दिनांक 15.11.2022 के द्वारा समस्त विद्यालयों में समितियों का गठन कराकर बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं तथा विद्यालय प्रबन्ध समिति के कार्य एवं दायित्वों हेतु जनपद्स्तर–हस्तपुस्तिका एवं प्रशिक्षण माड्यूल उपलब्ध कराने हेतु आपको उपलब्ध करायी जा चुकी है।

अतः सभी विद्यालयों के सदस्यों को जनपद–हस्तपुस्तिका उपलब्ध कराते हुये विद्यालय प्रबन्धन समिति की बैठकें विद्यालय में नियमित आयोजित करायें तथा बैठक के फोटोग्राफ–कार्यवाही प्रेरणा पोर्टल पर भी उपलब्ध करायें।

(स्वाती भारती)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बदायूँ।

पृ०सं०/एस०एस०ए०/ /2023-24 दिनांक : उक्त।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. जिलाधिकारी, बदायूँ।
2. मुख्य विकास अधिकारी, बदायूँ।
3. शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ०प्र० लखनऊ।
4. सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), बरेली मण्डल, बरेली।
5. कार्यक्रम निदेशक, समग्र विकास संस्थान, बदायूँ।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बदायूँ।

SMC की नियमित बैठकों का आयोजन करवाने के लिए BSA द्वारा पूर्व में जारी आदेश की प्रतिलिपि!

संस्था टीम द्वारा SMC की नियमित बैठके आयोजित करवाने के लिए पहल की गई लेकिन माह अक्टूबर में सरकार की गाइड लाइन के अनुसार पुनः SMC के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई ! माह नवम्बर 2024 तक नवीन SMC का गठन संस्था टीम के सहयोग से करवाया गया! इसके बाद पुनः संस्था टीम ने BSA से संपर्क किया और फिर से विधालयों में नियमित बैठकें आयोजित करवाने के लिए आदेश जारी करने की बात की जिस पर पुनः BSA ने अपने whatsaap ग्रुप के माध्यम से विगत वर्ष के आदेश पत्र को हस्तांतरित कर नियमित बैठकें करने के सख्त निर्देश दिए ! उक्त प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र के ग्रामों में भ्रमण के दौरान देखा गया की ग्राम नौशेरा, मीरासराय, अल्लापुरभोगी, दुदेनगर, रहमुदीनगर, बबई भटपुरा, रसूलपुर नगला, बछेली, मिर्जापुर अतिराज, गढ़िया हरदोपट्टी के परिषदीय विधालय में नियमित बैठकें होती है !

ग्राम प्रथ्वी नगला के SMC अध्यक्ष ने प्रधानाध्याप्क से बात कर विद्यालय के आय व्यय का विवरण लिखित रूप से माँगा :- ग्राम प्रथ्वी नगला में संपर्क के माध्यम से SMC अध्यक्ष ने संस्था स्टाफ को बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक अपनी मर्जी से उनके जॉइंट बैंक खाते से रुपए निकाल लेते है और हसे केवल हस्ताक्षर करवाते है ! इस पर उन्हें बताया

गया कि आपको क्षमता वर्धन करते समय बताया गया है कि विद्यालय में किये जाने वाले खर्चों के लिए प्रसाशन की तरफ से धनराशि SMC अध्यक्ष और प्रधानाध्यापक के साझा खाते में आती है और धनराशि को दोनों आपसे सहमती से ही निकाल सकते हैं ! ऐसे में यह आपका अधिकार है कि यदि प्रधानध्यापक आपकों रुपए निकालने का कारण नही बता रहे हैं तो आप स्वयं से इस बारे में पूंछे और पूरी जानकारी पर अपनी नजर रखें ! अध्यक्ष ने संस्था स्टाफ की बात को समझते हुए विद्यालय के प्रधानध्यापक से बात की और विद्यालय पर होने वाले सभी खर्चों का लिखित विवरण माँगा इस पर पहले तो अध्यापक ने बात को टालने की कोशिश की लेकिन SMC अध्यक्ष के बार बार पूंछने के बात प्रधानाध्यापक ने विद्यालय पर होने वाले खर्चों का पूर्ण विवरण SMC अध्यक्ष को बताया !

संस्था द्वारा सी. बी. ओ. समूह के साथ की गई पहल :- संस्था स्टाफ कार्यक्षेत्र के लोगों को सशक्त बनाने के लिए संस्था द्वारा ग्राम स्तर पर CBO समूह का निर्माण किया गया ! CBO समूह में गाँव के 15 से 20 सक्रिय सदस्यों को शामिल किया गया है ! इस समूह में 50 प्रतिशत महिला तथा 50 प्रतिशत पुरुषों को शामिल किया गया है ! प्रति माह नियमित रूप से इस समूहों के साथ बैठकें की जाती है और बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा से सम्बंधित सभी विषयों पर बात की जाती है ! सदयों का अपने बच्चों के जीवन से जुड़े विषयों पर क्षमता वर्धन किया जाता है ताकि आवश्यकता अनुसार समुदाय के लोग स्वयं से पहल कर अपनी समस्या का समाधान कर सकें ! बैठकों व संपर्क के माध्यम से 1098, 1076, 112, 102, 108, 1090, आदि टोल फ्री नंबर की जानकारी दी जाती है !

ग्राम सरकी की CBO सचिव ने अपने गाँव की 09 किशोरियों का नामांकन कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में करवाया :- जनपद बदायूं के विकास खण्ड उझानी का ग्राम सरकी, संस्था कार्यक्षेत्र का चिन्हित ग्राम है जहाँ संस्था टीम पिछले 8 वर्षों से लगातार बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा व उनके सामाजिक विकास के मुद्दे पर कार्य रही है ! माह अप्रैल में नवीन शैक्षिक

सत्र प्रारम्भ होने पर संस्था टीम द्वारा गॉव के प्राथमिक विद्यालय से कक्षा–5 पास हुए बच्चों की सूची लेकर आगे नामांकन करवाने के सम्बन्ध में सभी बच्चों को घर घर जाकर ट्रैक किया गया जिसमे देखने को मिला कि 8 बालिकाएं ऐसी है जिन्होंने अभी तक कक्षा–6 में नामांकन नहीं करवाया था ! साथी द्वारा बच्चों के अभिभावकों से बात की गई तो उन लोगों ने बच्चों का नामांकन न करवाने के सम्बन्ध में अभिभावकों ने अलग–अलग कारण (गॉव में उच्च प्राथमिक विद्यालय न होना, प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के लिए आर्थिक स्थिति कमजोर होना, दूसरे गॉव जाने के लिए रास्ता सुरक्षित न होना आदि) बताये गए, जिसे साथी द्वारा अपने ट्रैकिंग रजिस्टर पर अंकित करते हुए बालिकाओं का नामांकन करवाने के बारे में समझाया गया !

फील्ड स्टाफ द्वारा बालिकाओं के ड्रॉपआउट होने की समस्या कार्यक्रम समन्वयक के साथ साझा की गई जिस पर कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि हम लोग प्रयास करके ऐसे बच्चों के अभिभावकों को एकत्रित करके एक बैठक आयोजित करें जिसमे शिक्षा के महत्त्व को समझाते हुए सरकार द्वारा संचालित कस्तूरबा गाँधी आवसीय विद्यालय (KGBV) में बच्चों करवाने के प्रति जागरूक कर सकते है चूंकि अभिभावकों की मुख्य समस्या है प्राइवेट स्कूल में नामांकन के लिए फीस की कमी तो ऐसे में यदि वहां बच्चों का नामांकन हो जाता है तो वहां कोई शुल्क भी नहीं देना पड़ेगा और दूसरी बात यह कि समुदाय के लोगों को दूसरे गॉव भेजने के लिए आने–जाने का माहौल सुरक्षित नहीं लगता है तो ऐसे में KGBV में बालिकाएं सुरक्षित भी रहेंगी और कहीं आने–जाने की ज़रूरत भी नहीं होगी ! कार्यक्रम समन्वयक द्वारा दिए गए सुझाव के बाद फील्ड स्टाफ द्वारा ग्राम स्तर पर उक्त अभिभावकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में एक अभिभावक ऐसे भी शामिल हुए जिनकी बच्ची ने विगत वर्ष में गॉव के ही प्राथमिक विद्यालय से कक्षा–5 पास किया था और वह भी आर्थिक स्थिति कमज़ोर होने के कारण शिक्षा से वंचित हो गई थी ! इसी बैठक में श्रीमती प्रिया जोकि संस्था द्वारा ग्राम स्तर पर गठित CBO समूह की सचिव है उपस्थित हुई और उन्होंने बैठक में दी गई जानकारी से अपनी बेटी का नामांकन कस्तूरबा गाँधी में करवाने के लिए तैयार हुई ! उन्होंने संस्था स्टाफ से कहा कि आपने यह

बहुत अच्छी जानकारी दी है इससे हमारी बेतिया पढ़ भी सकेंगी और उन्हें असुरक्षा भी नही होगी ! प्रिया जी ने कहा कि वह बेटियों का नामांकन करवाने में संस्था सत्फ का पूर्ण सहयोग करेंगी ! प्रिया जी ने अपने गाँव की उन सभी महिलाओं से बात की जिन्होंने अपनी बेटी का नामंका कक्षा 05 पास के बाद नही कराया था ! उन्होंने सभी को समझाया और कस्तूरबा गाँधी के बारे में समझाया और कहा कि वह भी अपनी बेटी का नामांकन कस्तूरबा गाँधी में करवा रही है ! कई बार बात करने के बाद 09 बेटियों का नामांकन प्रिय जी ने कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में करवाया !

ग्राम अल्लापुर भोगी, मीरासराय, मिर्जापुर अतिराज और प्रथ्वी नगला के CBO समूह की सक्रियता से 02 बालक और 05 बालिकाओं के बाल विवाह पर रोक लगवाई गई :- संस्था टीम द्वारा ग्राम स्तर गठित CBO समूह किशोर तथा किशोरी समूह में बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा से जुड़े विषयों पर बात की जाती है और जरुरत पड़ने पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए प्रेरित किया जाता है ! इसी सम्बन्ध में ग्राम अल्लापुर भोगी मीरासराय और प्रथ्वी नगला में संस्था स्टाफ को CBO सदस्यों द्वारा गाँव में होने वाले बाल विवाह की जानकारी दी गई जिस पर संस्था स्टाफ ने बताया कि आप सभी सक्रीय सदस्य हैं और यह मामला आपके ही गाँव के बच्चों का है ! इस विषय पर आपको पहल करनी चाहिए! बातों को समझते हुए CBO सदस्यों ने चाइल्ड हेल्प लाइन पर कॉल की जिसके बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा एक आदेश जरी किया गया जिस पर पहल करते हुए बाल कल्याण अधिकारी पुलिस, चाइल्ड लाइन टीम, सम्बंधित ठाणे के प्रभारी तथा AHTU के सहयोग से सभी बच्चों के बाल विवाह को रुकवाया गया और बच्चों के माता पिता से लिखित में

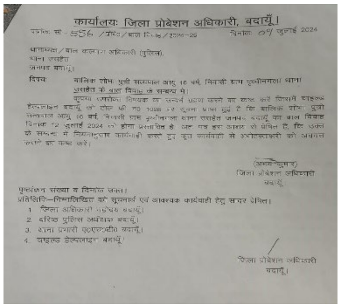

कार्यालयः जिला प्रोबेशन अधिकारी, बदायूँ।

पत्रांकः सी-556/प्रोबे0/बाल विवाह/2024-25 दिनांक 09 जुलाई 2024

थानाध्यक्ष/बाल कल्याण अधिकारी (पुलिस),
थाना उसहैत
जनपद बदायूँ।

विषयः बालिका शोभा पुत्री सत्यपाल आयु 16 वर्ष, निवासी ग्राम पृथ्वीनगला थाना उसहैत के बाल विवाह के सम्बन्ध में।

कृपया उपरोक्त विषयक का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसमें चाइल्ड हेल्पलाइन बदायूँ को टोल फ्री न0 1098 पर सूचना प्राप्त हुई है कि बालिका शोभा पुत्री सत्यपाल आयु 16 वर्ष, निवासी ग्राम पृथ्वीनगला थाना उसहैत जनपद बदायूँ का बाल विवाह दिनांक 12 जुलाई 2024 को होना प्रस्तावित है। अतः पत्र इस आशय से प्रेषित है, कि उक्त के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

जिला प्रोबेशन अधिकारी
बदायूँ।

पृष्ठांकन संख्या व दिनांक उक्त।
प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित।
1. जिला अधिकारी महोदय बदायूँ।
2. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ।
3. थाना प्रभारी ए0एच0टी0 बदायूँ।
4. चाइल्ड हेल्पलाइन बदायूँ।

जिला प्रोबेशन अधिकारी
बदायूँ।

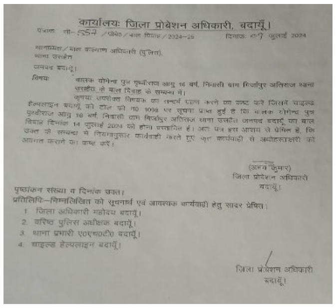

कार्यालयः जिला प्रोबेशन अधिकारी, बदायूँ।

पत्रांकः सी-557/प्रोबे0/बाल विवाह/2024-25 दिनांक 09 जुलाई 2024

थानाध्यक्ष/बाल कल्याण अधिकारी (पुलिस),
थाना उसहैत
जनपद बदायूँ।

विषयः बालक योगेन्द्र पुत्र पृथ्वीराज आयु 16 वर्ष, निवासी ग्राम मिर्जापुर अतिराज थाना उसहैत के बाल विवाह के सम्बन्ध में।

कृपया उपरोक्त विषयक का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसमें चाइल्ड हेल्पलाइन बदायूँ को टोल फ्री न0 1098 पर सूचना प्राप्त हुई है कि बालक योगेन्द्र पुत्र पृथ्वीराज आयु 16 वर्ष निवासी ग्राम मिर्जापुर अतिराज थाना उसहैत जनपद बदायूँ का बाल विवाह दिनांक 14 जुलाई 2024 को होना प्रस्तावित है। अतः पत्र इस आशय से प्रेषित है, कि उक्त के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

जिला प्रोबेशन अधिकारी
बदायूँ।

पृष्ठांकन संख्या व दिनांक उक्त।
प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित।
1. जिला अधिकारी महोदय बदायूँ।
2. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ।
3. थाना प्रभारी ए0एच0टी0 बदायूँ।
4. चाइल्ड हेल्पलाइन बदायूँ।

जिला प्रोबेशन अधिकारी
बदायूँ।

बाल विवाह का केस दर्ज होने के बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा विवाह को रोकने के लिए जारी आदेश पत्र

सपथ प्रमाण पत्र लिया कि सही उम्र न होने तक बच्चों का विवाह नही करेंगे और यदि ऐसा किया तो उन पर कानूनी कार्यवाही की जाये !

बाल समूह, किशोरी समूह, किशोर समूह के सदस्यों के साथ की गई के हल :- संस्था द्वारा कार्यक्षेत्र के 22 ग्रामों में संस्था कार्यकर्ता द्वारा बच्चों के समूह बनाये गए है! इन समूहों के अलग अलग नाम दिए गए है जैसे 10–14 वर्ष तक के बच्चों को क्रन्तिकारी बाल समूह का नाम दिया गया है ! इस समूह में 15 से 20 बच्चों को शामिल किया गया है जिसमे 50 प्रतिशत बालक व 50 प्रतिशत बालिकाओं को शामिल किया गया है ! 11– 18 वर्ष तक के 15 से 20 बच्चों का एक सावित्री बाई समूह और एक आज़ाद समूह बनाया गया है ! सावित्री बाई समूह में किशोरियों और आज़ाद समूह में किशोरों को शामिल किया गया है ! संस्था टीम द्वारा नियमित रूप से इन समूहों के साथ बैठकें व संपर्क किया जाता है जिसके माद्यम से बच्चो को शिक्षा, बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर क्राइम,बाल भिक्षा वृत्ति, पोक्सो एक्ट, RTE एक्ट, तथा अन्य सभी विषय जो बच्चो के जीवन को प्रभावित करते है आदि पर जानकारी देकर उन्हें सशक्त वनाने का प्रयास किया जाता है ! समय समय पर बच्चों को जीवन कौशल का प्रशिक्षण देकर उनमे आत्म विश्वास, आत्म रक्षा, संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या का समाधान करने की क्षमता, आदि का विकास करने का प्रयास किया जाता है ! बच्चों को अपनी समस्या के समाधान के लिए स्वय से ग्राम ब्लाक जनपद स्तारिये व आवश्यकत पड़ने पर राज्य स्तारिये पहल करने के लिए प्रेरित किया जाता है !

कार्यक्षेत्र के एक गाँव में किशोरी ने स्वयं का बाल विवाह रुकवाया :- कार्यक्षेत्र के ब्लाक उसावां के एक गाँव में सीमा (बदला हुआ नाम) ने सन 2024 में कक्षा 10 पास किया था और कक्षा 11 नामांकन के लिए जब उसने अपने माता पिता से कहा तो उन्होंने कहा कि अब पढने की जरुरत नही है ! अब तुम्हारी उम्र शादी के लायक हो गई है ! हमने तुम्हारी शादी की बात चलाई है और अब अगले 4–5 माह में तुम्हारी शादी कर देंगे ! जब किशोरी

ने यह बात सुनी तो वह बहुत परेशान हुई और उसने यह बात संस्था स्टाफ को बताई और कहा कि अभी वह शादी नही करना चाहती है और आगे पढना चाहती है ! संस्था स्टाफ ने बताया कि इस विषय पर तुम्हे स्पस्ट रूप से अपने माता पिता से बात करनी चाहिए क्योकि जितने सही तरह से आप अपने माता पिता को समझा सकती है उतना कोई नही कर सकता ! संस्था स्टाफ ने यह भी बताया कि यदि जरुरत हो तो आप गुप्त रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन की मदद भी ले सकती है क्योकि इस हेल्पलाइन पर कॉल करने वाले का नाम गुप्त रखा जाता है ! किशोरी सीमा ने बात को समझा और अपने पिता से शादी न करने और आगे पढने की इच्छा बताई तो पहले तो पिता ने कहा कि हम तुहारी शादी तय कर चुके हैं लेकिन जब किशोरी ने कहा की जब आप ही उसकी इच्छा को नही समझेंगे तो कैसे वह ससुराल में जाकर अपनी बात रख सकेगी ! इसी बीच संस्था स्टाफ ने भी किशोरी के माता पिता को समझाया कि आपकी बच्ची पढने में बहुत अच्छी है अगर आप इसे थोडा सा हौसला दें तो यह बहुत आगे तक जा सकती है और रही बात शादी की तो अभी तो बैसे भी इसकी शादी की उम्र नही है ! कम उम्र में विवाह करना कानूनी अपराध है यदि इस बात की सूचना किसी ने पुलिस को दे दी तो आप भी मुसीबत में पड़ जायेंगे ! इन सभी बातों को समझते हुए और अपनी बेटी की बात को समझते हुए सीमा के पिता ने अपनी बेटी की तय की गई शादी को कैंसल कर दी और आगे कक्षा 11 में नामांकन करवाया ! वर्तमान समय सीमा कक्षा 12 में पढ़ रही है और संस्था स्टाफ का धन्यबाद करती है जिनके द्वारा दी गई जानकारी से वह अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण निर्णय ले सकी !

किशोरी समूह द्वारा परिषदीय विद्यालयों में नियमित रूप से सेनेटरी पेड के वितरण को लेकर की गई राज्य व राष्ट्र स्तरीय पहल से नियमित रूप से सेनेटरी पेड का वितरण होने लगा है :-

किशोरी बैठक में संस्था टीम द्वारा मासिक धर्म पर बात की गई और किशोरियों से जानकारी ली गई कि क्या उन्हें विद्यालय में सेनेटरी पेड मिलते हैं तो उन्होंने भी बताया

की उन्हें विधालय से सेनेटरी पेड नही मिलते है और वह पीरियड्स के दौरान 05 से 06 दिन विधालय नही जाती है ! इन सभी बातों को सुनकर संस्था स्टाफ ने सभी किशोरियों को बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक उच्च प्राथमिक और राजकीय विधालयों में किशोरियों को सेनेटरी पेड वितरित किये जाते है ताकि बालिकाओं को पीरियड्स के दौरान विधालय में कोई भी असहजता न हो ! बालिकाओं को बताया कि यदि आपके विधालय में ऐसा नही है तो आपको इसके लिए पहल करनी चाहिए ! इस बात को सुनकर सभी लडकियाँ कहा कि हम अपने विद्यालय में जाकर अध्यापक से बात करेंगे ! इसके बाद सभी किशोरियों ने ने अपने विद्यालय की प्रधानाध्यापक से बात की तो उन्होंने यह कहकर चिल्ला दिया कि ये क्या कोई बिस्कुट है जो सबको मिल गए और तुम रह गई ! अभी कोई भी सेनेटरी पैड विद्यालय में नही है जब आयेंगे तो दे देंगे तब तक साफ़ कपड़े का इस्तेमाल करो इसमें कुछ गलत नही है !

जब यह बात संस्था स्टाफ को बताई गई तो इस बात को संस्था की बैठक में साझा किया गया और फिर इस विषय पर एक कार्य योजना बनाई कि कार्यक्षेत्र की सभी किशोरियों से इस विषय पर बात करें और यह जाने कि क्या यह समस्या सभी के विद्यालय मे है ! संस्था टीम ने जब इस बात हेतु कार्यक्षेत्र की सभी किशोरियों से बात की तो पता चला कि यह समस्या सभी किशोरियों के साथ के साथ है !

इसी बीच संस्था टीम द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय विद्यालय, संविलियन विद्यालय और कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में जीवन कौशल के दूसरे मॉडयूल पर प्रशिक्षण दिया गया जिसके माध्यम से **05 संविलियन 02 उच्च प्राथमिक और 02 कस्तूरबा गाँधी के 1234 बच्चों को जीवन कौशल का प्रशिक्षण दिया गया!**

प्रशिक्षण के दौरान जब किशोरियों और अध्यापक से सेनेटरी पैड पर चर्चा की तो

परिषदीय विद्यालय पर कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में आयोजित जीवन कौशल बैठकें

पता चला की पुरे जनपद में ही बालिकाओं के लिए सेनेटरी पैड नही दिए जाते है और पीरियड्स के दौरान बालिकाओं को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है ! सभी ग्रामीण क्षेत्रों तक सेनेटरी पैड की पहुँच न होने और अत्यधिक महंगे होने के कारण बालिकाए कपड़े का इस्तेमाल करती है इसलिए उन्हें कभी कभी अन्य शारीरिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है ! इस बात को संज्ञान में लेते हुए संस्था टीम ने **कार्यक्षेत्र की किशोरियों के साथ मिलकर CM /UPSCPCR/NCPCR, को पोस्ट कार्ड अभियान चलाया और किशोरियों के माध्यम से जिला अध्यक्ष को पत्र लिखवाया ! इस प्रक्रिया में कार्यक्षेत्र के 22 गाँव की 316 किशोरियों ने हिस्सा लिया !**

किशोरियों द्वारा भेजे गए पोस्ट कार्ड

जब जिला अधिकारी की तरफ से कोई भी सकारात्मक पहल नही हुई तो फिर संस्था टीम ने किशोरिओं की आवाज को राष्ट्र स्तर तक पहुँचाने के लिए राष्ट्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग को पत्र लिखा और जनपद के सभी विधालयों में बालिकाओं को सेनेटरी पैड वितरित करवाने की मांग की !

NCPCR की तरफ से उक्त विषय को गंभीरता से लेते हुए जिला अधिकारी को पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश दिया और संस्था को भी प्रतिलिप में रखा !CSPCR के आदेश के अनुपालन का पता लगाने के लिए संस्था टीम ने किशोरियों से कहा की सभी अपने विधालय

NCPCR द्वारा भेजा गया जिला अधिकारी को पत्र

NCPCR द्वारा पुनः भेजा गया जिला अधिकारी को पत्र

में जाकर देखे की सेनेटरी पैड वितरित हो रहे है या नही ! सबसे पहले नेहा ने बताया की कोई भी पैड नही दिया गया है और उसने यह भी बताया की केवल उसके विधालय में ही नही बल्कि किसी भी सरकारी विद्यालय में पेड वितरित नही हुए है क्योकि उसने अपने सभी रिश्तेदारों की किशोरियों से पूंछा ! वही दूसरी तरफ संस्था टीम ने भी परिषदीय विद्यालय में बात कर प्रसाशन की तरफ से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराये जाने की जानकारी ली तो उन्होंने भी मना कर दिया!

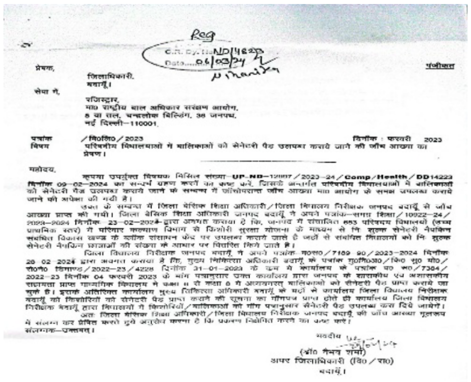
Reg
C.R. Dy. No. ND/14223
Date 06/03/24

प्रेषक,
जिलाधिकारी,
बदायूँ।

सेवा में,
रजिस्ट्रार,
मा० राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग,
5 वा तल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली–110001.

पंजीकृत

पत्रांक /मि०लि०/2023 दिनांक : फरवरी 2023

विषय परिषदीय विद्यालयों में बालिकाओं को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराये जाने की जाँच आख्या का प्रेषण।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक विविध संख्या–UP-ND–12007/2023–24/Comp/Health/DD14223 दिनांक 09–02–2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, [illegible]

[illegible]

भवदीय

(श्री० वैभव शर्मा)
अपर जिलाधिकारी (वि० / रा०)
बदायूँ।

इसके बाद संस्था टीम द्वारा पुनः NCPCR को पत्र लिखकर सेनेटरी पैड वितरण के विषय में कोई भी कार्य न किये जाने की जानकारी दी ! इस पर NCPCR की तरफ से पुनह जिला अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही कर एक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए ! इसी बीच माह अक्टूबर में जिला बदायूं के डाइट ऑडिटोरियम में NCPCR की सदस्य गोमती मनोचा जी आई जिनके द्वारा जन सुनवाई कार्यक्रम किया गया ! उस कार्यक्रम में संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र की 100 किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित करवाए गए !

NCPCRकी सदस्य द्वारा वितरित किये गए किशोरियों को सेनेटरी पैड !

किशोरी नेहा द्वारा उठाई गई आवाज और कार्यक्षेत्र की सभी किशोरियों के सहयोग से संस्था द्वारा परिषदीय विद्यालयों में सेनेटरी पैड के वितरण की मांग को ग्रामीण क्षेत्र से निकाल कर राष्ट्र स्तर तक पहुँचाने का परिणाम यह हुआ है कि पिछले 04 -05 माह से नियमित रूप से विद्यालयों में बालिकाओं को सेनेटरी पैड दिए

परिषदीय विद्यालयों में वितरित सेनेटरी पैड

जा रहे है ! **अब तक पुरे जनपद में 28000 / किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किये जा चुके है** नियमित सेनेटरी पैड की उपलब्धता से बालिकाएं पीरियड्स के समय विद्यालय से ड्रॉपआउट नही होती है और न ही पैड का इस्तेमाल करने से उनमे में असहजता होती है ! संस्था टीम द्वारा नियमित रूप से कार्यक्षेत्र के विद्यालयों में सेनेटरी पैड के वितरण का विद्यालय अवलोकन किया जाता है!

पर्यावरण सुरक्षा के लिए संस्था द्वारा किये कार्य :- संस्था बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा के साथ साथ पर्यावरण सुरक्षा पर भी समुदाय में लोगों ओ जागरूक करती है ! चूँकि हम सभी पर्यावरण का हिस्सा है और वर्तमान समय में पर्यावण की बढती तवाही सभी के लिए विकराल समस्या बन चुकी है ! समग्र शिक्षा अभियान की गाइड लाइन के अनुसार संस्था टीम द्वारा परिषदीय विधालयों में इको और युवा क्लब का गठन करवाने के लिए पिछले शैक्षिक सत्र 2024 में माह अक्टूबर में BSA से संपर्क कर न केवल कार्यक्षेत्र के विधालय बल्कि समस्त जनपद के परिषदीय विधालयो के लिए एक आदेश जारी करवाया ! आदेश का अनुपालन करते हुए दिसम्बर माह तक संस्था के सहयोग से कार्यक्षेत्र के सभी परिषदीय विधालयों में इको व युवा क्लब कर गठन हुआ !

समग्र विकास संस्थान

इको क्लब का गठन करवाने के लिए BSA को दिया गया पत्र

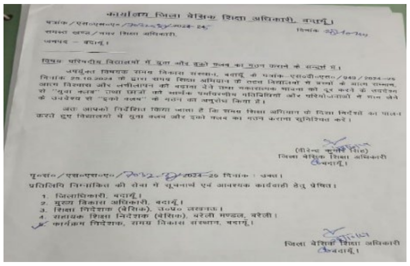
कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बदायूँ

BSA द्वारा इको क्लब का गठन करवाने के लिए जारी आदेश

गठन के बाद समूह के बच्चों को समूह के उधेश्य व उनकी जिम्मेदारियों पर क्षमता वर्धन किया !

बच्चों व अध्यापकों ने पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर सपथ ली ! इको क्लब के समूह के माध्यम से विधायल में साफ़ सफाई को लेकर अभियान चलाया गया

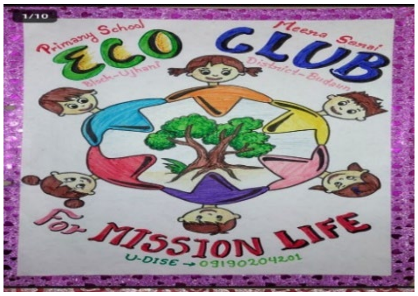

जिसमे विधालय, पेड़ पौधों आदि को साफ़ किया गया ! इको व युवा क्लब के बच्चों ने पर्यापरण सुरक्षा को लेकर गाँव में जागरूकता लाने के लिए नारा लेखन किया !

जीवन कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों के साथ की गई पहल :- कार्यक्षेत्र के सभी बच्चे आत्म निर्भर हो तथा सभी अपने जीवन के निर्णय लेने में सक्षम हो इसी उधेश्य समय समय पर बच्चों को जीवन कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है ! संस्था द्वारा CRY द्वारा संचालित जीवन कौशल के मॉडयूल पर किशोर किशोरियों तथा बाल समूह के बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया जिसके माध्यम से बच्चों में आत्म निर्भरता आत्म विश्वाश निर्णय लेना अपने विचारों को व्यक्त करना आदि की क्षमता को विकसित करने का प्रयास किया गया ! समय समय पर बच्चों की जानकारी का अवलोकन भी किया गया !

बाल श्रमिक विद्या योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता से विद्यालय जाने के लिए बच्चों साइकिल खरीदी :- जनपद बदायूं के विकास खण्ड उझानी का ग्राम मीरासराय जो शहर से लगभग 1 Km. की दूरी पर है ! गॉव के ही एक छोर (किनारे) पर एक बस्ती है जहाँ गिहार समुदाय के लोग रहते है इसलिए इसे गिहार बस्ती के नाम से जाना जाता है ! इस बस्ती

में 146 परिवार रहते है जिसमे 0 से 18 वर्ष के 457 बच्चे है ! गिहार समुदाय के लोगों का मुख्य व्यवसाय जूता पॉलिश करना है, इसलिए यहाँ से पुरुष लोग अधिकतर जूता पॉलिश करने का कार्य करते है तथा यहाँ कि महिलाएं सिरकी पाल बनाने व बेचने का कार्य करने के साथ ही साथ स्थानीय मेले व त्योहारों के अवसर पर श्रृंगार का सामान, पोस्टर व बच्चों के खेल खिलौने बनाने व बेचने का भी कार्य करती है ! एक सच्चाई यह भी है कि बस्ती में देशी शराब बनाने व बेचने कार्य किया जाता है जिस कारण यहाँ के लोग शराब का सेवन भी अधिक मात्रा में करते है और शराब के व्यवसाय में घर की महिलाओं को सम्मिलित करते है ! आज से 10 वर्ष पूर्व की बात करें तो यहाँ पर शिक्षा का स्तर इस हद तक निम्न था कि बस्ती का एक भी बच्चा कक्षा-10 तक नहीं पढ़ा था ! उसके बाद संस्था द्वारा क्राई के सहयोग से बस्ती के बच्चों के लिए चाइल्ड एक्टिविटी सेंटर (CAC) का संचालन कर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया गया और वर्तमान स्थिति यह है कि इस वर्ष शैक्षिक सत्र 2023-24 में गिहारबस्ती से 5 लड़कियों ने कक्षा-10 की परीक्षा उत्तीर्ण की है ! संस्था टीम द्वारा बच्चों को सशक्त बनाने के लिए ग्राम स्तर पर बाल समूह का गठन किया है जिसके माध्यम से हर माह बैठकें कर बच्चों को बालाधिकार से जोड़ते हुए शिक्षा सुरक्षा के मुद्दों पर जागरूक करने का कार्य किया जाता है, यह कहानी है एक ऐसी बच्ची की जो बस्ती की सक्रिय किशोरी होने के साथ-साथ संस्था द्वारा गठित बाल समूह की अध्यक्ष भी है !

गिहार बस्ती में रहने वाले ख़ुशी (उम्र-12 वर्ष) के पिता का नाम श्री अशोक है जो परिवार का भरण पोषण करने के लिए जूता पॉलिश करने का कार्य करते है, वर्ष 2020 में कोरोना काल के समय ख़ुशी की माँ (श्रीमती गुड्डो) की मृत्यु हो गई थी ! ख़ुशी के परिवार में उसके अलावा 3 बहन (विनीता-21 वर्ष, काजल-20 वर्ष, महक-16 वर्ष) तथा 2 भाई (शिवम-23 वर्ष व अमन-11 वर्ष) है ! ख़ुशी की बड़ी बहन विनीता मानसिक रूप से विक्षिप्त है जबकि काजल की शादी हो गई तथा महक कक्षा-10 में पढ़ रही है इसी तरह ख़ुशी का बड़ा भाई शिवम अपने पिता के साथ जूता पॉलिश करने का कार्य करता है तथा छोटा भाई अमन-कक्षा-6 में पढ़ रहा है ! माता की मृत्यु होने के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत संस्था टीम द्वारा ख़ुशी व उसके भाई अमन का इस योजना में आवेदन करवाया था जिसके तहत ख़ुशी व उसके

भाई को आगे की पढ़ाई के लिए 2500/– प्रति माह की आर्थिक सहयता मिलती है जो प्रायः (अक्सर) 3 माह बाद एक मुश्त ही प्राप्त होती है ! मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में आवेदन करवाने के बाद जब सबसे पहले सरकार से सहायता प्राप्त हुई तो 6 माह की एक मुश्त धनराशि प्राप्त हुई तो ख़ुशी व उसके भाई को 15–15 हज़ार कुल 30000/– का आर्थिक सहयोग मिला तो ख़ुशी के पिता ने उस पैसे का उपयोग ख़ुशी की बड़ी बहन काजल की शादी करने में तथा कुछ हिस्सा ख़ुशी व अमन की पढ़ाई में खर्च किया ! ख़ुशी के पिता अशोक शराब का सेवन अत्यधिक मात्रा में करते है तो कुछ पैसे उन्होंने अपनी शराब पीने में भी खर्च कर दिए और घर में कहने लगे कि अगली बार जब पैसे आएंगे तो एक मोटर साइकिल खरीदेंगे !

ख़ुशी एक होनहार और सक्रिय किशोरी है इसलिए संस्था टीम द्वारा ग्राम स्तर पर गठित बाल समूह में ख़ुशी को अध्यक्ष नामित किया है ! ख़ुशी CAC पर आयोजित होने वाली बैठकों में बच्चों को एकत्रित करने में सहयोग भी करती है तथा बैठक में आयोजित गतिविधि में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करती है ! संस्था टीम द्वारा क्राई के जीवन कौशल प्रशिक्षण मॉडयूल को गिहार बस्ती के बच्चों के साथ भी लागू कर बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमे बच्चों को आत्म सशक्तिकरण, निर्णय लेने की क्षमता का विकास, नेतृत्व की भावना का विकास, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के माध्यम से अपनी और दूसरों की भावना को समझना तथा अपने शब्दों को स्पष्ट रूप से दूसरों तक पहुंचाना तथा समस्याओं के प्रति सकारात्मक सोच आदि के विषय पर जानकारी दी जाती है !

CAC पर आयोजित जीवन कौशल बैठक में शामिल (ख़ुशी) व बच्चों के साथ TLM बनाती (ख़ुशी)

जीवन कौशल की बैठक के दौरान ख़ुशी ने बताया कि उसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत लाभ मिलता है जो कि हमारे और पिता जी के संयुक्त खाते में आता

है ऐसे में पिता जी हम पर ज़बरदस्ती दबाव बनाते हुए अपने शराब पीने में या घर के अन्य ज़रूरी कार्यों में प्रयोग करने के लिए निकलवा लेते है और बाल श्रमिक विद्या योजना से जो लाभ मिलता है उससे हम अपनी पढ़ाई के लिए प्रयोग करते है, ऐसी स्थिति में हम क्या कर सकते है ! इस पर समूह के अन्य बच्चों के साथ साथ CAC अध्यापक द्वारा बताया गया कि जीवन कौशल बैठकों के माध्यम से हम लोग आत्म सशक्तिकरण, निर्णय लेने की क्षमता व सकारात्मक सोच की बात करते है तो ऐसे में आप स्वयं निर्णय लेने का प्रयास करो कि हम उस पैसे का क्या उपयोग कर सकते है और किस प्रकार हम अपने पिता से बात कर सकते है ! CAC अध्यापक द्वारा समझाने के बाद ख़ुशी ने हिम्मत करते हुए घर जाकर अपने पिता जी से बात करने का प्रयास किया और उन्हें बताया कि पापा जो पैसे हमे मिलते है वो हमारी शिक्षा में खर्च करने के लिए सरकार द्वारा दिया जा रहा है ऐसे में उस पैसे का उपयोग हमारी पढ़ाई-लिखाई में करना चाहिए ! ख़ुशी के समझाने के बाद भी ख़ुशी के पिता की नज़र उसी के पैसों पर थी इसलिए उसने निर्णय लिया कि हम गॉव से दूर बदायूं पढ़ने के लिए विद्यालय जाते है तो ऐसे में अगर हम उस पैसे से एक साइकिल खरीदले तो विद्यालय जाने में आसानी होगी ! ख़ुशी द्वारा अपनी सोच को CAC अध्यापक के साथ साझा किया और बताया कि अबकी बार जब हमे पैसे मिलेंगे तो हम पापा से मिलकर बात करेंगे और पैसे निकलवाकर उससे एक साइकिल खरीद लेंगे !

CAC अध्यापक द्वारा ख़ुशी की सोच की सराहना करते हुए उसके निर्णय को सही समझा और उसके बाद माह मार्च में सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के तहत बच्चों को आर्थिक सहायता के रूप तीन माह की 7500/- की धनराशि बच्चों के खाते में हस्तान्तरित की गई ! बच्चों के खाते में पैसे आने के बाद जब ख़ुशी के पिता ने ख़ुशी से पैसे निकालने की बात की तो ख़ुशी ने अपने पिता से कहा कि हम पैसे निकालेंगे तो उससे विद्यालय जाने के लिए साइकिल खरीदेंगे क्यूंकि यहाँ से हम पैदल जाते है तो हम थक जाते है और विद्यालय जाने में भी देरी होती है ! इस पर पहले तो पिता जी ने मना किया लेकिन ख़ुशी के काफी समझाने के बाद ख़ुशी के पिता मान गए और उसे पैसे निकलवाकर एक साइकिल दिलवाई गई !

संस्था द्वारा चलाये गए अभियान

“स्वच्छता ही सेवा” अभियान

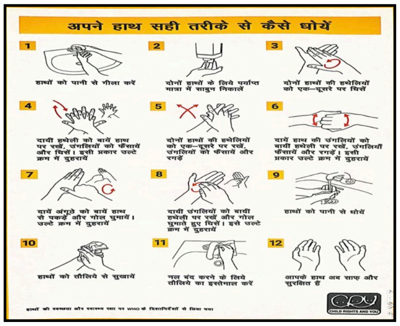

परिषदीय विद्यालयों में जागरूकता - स्वच्छता अभियान के तहत संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों के साथ समन्वय बनाते हुए विद्यालयों में बैठकों का आयोजन किया गया, बैठकों के माध्यम से संस्था टीम द्वारा बच्चों को साफ़ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमे अपने घरों में व घरों के आस पास साफ़ सफाई रखना चाहिए ! घरों के आस पास कहीं कूड़ा इकट्टा न होने दें,

कूलर/बाल्टी आदि में पानी को एकत्रित करके न रखे क्योंकि ऐसा करने से मच्छर होने की सम्भावना रहती है जिससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैलने लगती है ! इसके अलावा बच्चों को बताया गया कि हम लोग जब विद्यालय आते है तो प्रतिदिन स्नान करके आये और किसी कारण से स्नान नही कर पाते है तो कम से कम हाथ व मुंह की सफाई का विशेष ध्यान रखें ! विद्यालय में आने के बाद जब भी शौचालय जाये तो आने के बाद हाथों को अवश्य साफ़ करें तथा MDM खाने से पहले व खाने के बाद हाथों को अच्छे से साबुन लगाकर साफ़ करें और यह प्रकिया नियमित आदत में लायें जिससे गन्दगी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके, इसके अतिरिक्त HANDWASH से सम्बंधित पोस्टर के माध्यम से बच्चों को हाथ धोने की प्रक्रिया के बारे में समझाया गया ! उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला अध्यापक, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकत्री के सहयोग से किशोरी बालिकाओं के साथ माहवारी के समय साफ़ सफाई व स्वच्छता के विषय पर की गई जिसमे बालिकाओं को सनैट्री पैड के उपयोग क्र बारे में समझाने के साथ निश्चित समय के बाद पैड बदलने के बारे में भी समझाया गया तथा विद्यालय में सनैट्री पैड निस्तारण के लिए

इन्सीनेटर बने है तो पैड को उसी में डालकर निस्तारित करें इधर उधर न फेकें जिससे गन्दगी फैलने की सम्भावना हो साथ ही यह भी बताया गया कि सनैट्री पैड की जगह यदि कपड़े का उपयोग किया जाता है तो ध्यान रहें कि सूती व स्वच्छ कपड़ा हो जिससे कि गन्दगी व उससे होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सके ! कार्यक्षेत्र के 16 परिषदीय विद्यालयों में WASH पर जागरूकता बैठकें आयोजित की गई जिसमे कुल 995 बच्चों व 52 अध्यापकों ने प्रतिभाग किया !

बच्चों के समूहों के माध्यम से जागरूकता – कार्यक्षेत्र के चयनित ग्रामों में संस्था द्वारा गठित बच्चों के समूहों (बाल समूह, किशोर समूह व किशोरी समूह) के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बैठकें आयोजित की गई जिसमे उपस्थित सदस्यों के साथ WASH PRACTICE पर जागरूकता बैठकें आयोजित की गई जिसमे बच्चों को बताया गया कि समूह के माध्यम से हम लोग गॉव में साफ़ सफाई रखने की पहल करें, गॉव में जहाँ कहीं पानी भरा है या नालियों में कूड़ा भरा है उसके लिए हम लोग मिलकर गॉव के प्रधान जी से बात करें और सफाई करवाने के लिए पहल करें, यदि ग्राम प्रधान नही सुनते है तो इसके लिए गॉव के सफाई कर्मचारी से बात करके उसकी साफ़ सफाई करवाने का प्रयास करें ! साफ सफाई के लिए खुद भी हम लोग पहल करें जिसमे सबसे पहले अपने घर से प्रारम्भ करते हुए घर व उसके आस पास सफाई रखें तथा घरों से निकलने वाले पानी को एक गहरे गड्डे में एकत्रित करें जिससे पानी ज़मीन के अन्दर ही चला जाये, क्यूंकि गन्दा पानी एकत्रित होता है वो वहां मक्खी मच्छर एकत्रित होते हो जिससे बामरियाँ बढ़ने की सम्भावना रहती है तो प्रयास करें कि गॉव में साफ़ व सुरक्षित माहौल बनाया जा सके ! इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाओं को बाला पुस्तक के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन के विषय पर जानकारी दी गई और बताया कि माहवारी के समय खान पान व साफ़ सफाई का विशेष ध्यान रखें ! शौचालय का प्रयोग करें तथा शौच के बाद हाथों को अवश्य साफ़ करें तथा अपनी आदत बनाएं कि नियमित स्नान करें, बालों को ज़्यादा बड़ा न होने दें तथा नाखून को समय समय पर काटते रहना चाहिए ! कार्यक्षेत्र के 22 ग्रामों में बाल समूह, किशोर समूह व किशोरी समूह के साथ कुल 14 बैठकें आयोजित हुई जिसमे 228 बच्चों ने प्रतिभाग किया !

1. ग्राम गढ़ियाचौरा कि किशोरी समूह की बालिकाओं ने साफ़ सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विडियो सन्देश जारी किया !

2. ग्राम अल्लापुर भोगी में बाल समूह के बच्चों ने गॉव में जल भराव व कीचड़ की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान को शिकायती पत्र दिया है !

CBO व महिला समूह के माध्यम से जागरूकता – स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने हेतु संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र के चिन्हित ग्रामों में निश्चित प्लान के आधार पर CBO व महिला समूह के चिन्हित सदस्यों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया जिसमे उपस्थित सदस्यों को स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में चर्चा करते हुए बताया गया कि भारत सरकार द्वारा ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर तक प्रत्येक विभाग के साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता ही सेवा है नामक अभियान संचालित किया है जो 17 सितम्बर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा ! अभियान को सफल बनाने के लिए संस्था टीम द्वारा बताया गया कि आप सभी लोगों की ज़िम्मेदारी है कि सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम में कूड़ेदान बनवाए गए है तो अप लोगों की भी ज़मीदारी है कि अपने–अपने घर का कूड़ा इधर–उधर न डालकर सीधे कूड़ेदान में ही डालें जिससे किसी भी प्रकार की गन्दगी या उससे होने वाली बीमारी फैल सके और यदि गॉव में कूड़ादान नही बने है तो गॉव के बहार जहाँ भी कूड़ा एकत्रित होते है उसी स्थान पर कूड़ा डाले और अपने घर के साथ साथ गॉव को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें ! सरकार द्वारा घर घर शौचालय बनवाए गए है तो आप लोग खुले में शौच को न जाये, घरों में बने शौचालय का प्रयोग करें जिससे महिलाओं की सुरक्षा के साथ साथ गॉव में साफ़ सफाई भी बनी रहेगी ! उपस्थित लोगों को बताया गया कि नहाने से पहले घर के सामने या बाहर की नालियों व शौचालय की सफाई

करें जिससे किसी भी प्रकार की गंदगी न फैल सके ! इसके अतिरिक्त उपस्थित सदस्यों को HANDWASH PRACTICE के पोस्टर के माध्यम से हाथ धोने की प्रक्रिया को समझाया गया तथा बैठक के बाद लोगों के हाथ भी धुलवाए गए ! कार्यक्षेत्र के 7 ग्रामों में बैठकें आयोजित की गई जिसमे 7 आशा कार्यकत्री, 6 आंगनवाड़ी कार्यकत्री 2 आंगनवाड़ी सहायिका व 4 ANM ने प्रतिभाग किया !

WASHPRACTICE के लिए CAC केन्द्र पर बच्चों के साथ जागरूकता कार्यक्रम – संस्था द्वारा संचालित बाल गतिविधि केन्द्र (CAC) मीरासराय, अल्लापुर भोगी व गढ़ियाचौरा में प्रत्येक शनिवार को बाल पंचायत बैठकों का आयोजन किया जाता है जिसमे बच्चों के साथ बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा से सम्बंधित समस्याओं का चिन्हीकरण करके उनके निस्तारण की पहल की जाती है ! संस्था टीम द्वारा शनिवार को आयोजित बाल पंचायत बैठक में बच्चों के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में चर्चा की गई हम लोग गॉव में साफ़ सफाई रखने की पहल करें, गॉव में जहाँ कहीं पानी भरा है या नालियों में कूड़ा भरा है उसके लिए हम लोग मिलकर गॉव के प्रधान जी से बात करें और सफाई करवाने के लिए पहल करें, यदि ग्राम प्रधान नही सुनते है तो इसके लिए गॉव के सफाई कर्मचारी से बात करके उसकी साफ़ सफाई करवाने का प्रयास करें ! साफ सफाई के लिए खुद भी हम लोग पहल करें जिसमे सबसे पहले अपने घर से प्रारम्भ करते हुए घर व उसके आस पास सफाई रखें तथा घरों से निकलने वाले पानी को एक गहरे गड्डे में एकत्रित करें जिससे पानी ज़मीन के अन्दर ही चला जाये, क्यूंकि गन्दा पानी एकत्रित होता है वो वहां मक्खी मच्छर एकत्रित होते हो जिससे बामरियाँ बढ़ने की

सम्भावना रहती है तो प्रयास करें कि गॉव में साफ़ व सुरक्षित माहौल बनाया जा सके, इसके अतिरिक्त बच्चों को HANDWASH करवाया गया तथा HANDWASH करने के 12 तरीकों के बारे में समझाया गया ! तीनों केन्द्रों पर एक एक बैठक सहित कुल 3 बैठकें आयोजित हुई जिसमे 182 बच्चों ने प्रतिभाग किया !

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित रैलियाँ – स्वच्छ कार्यक्षेत्र के चिन्हित ग्रामों में संस्था टीम द्वारा बच्चों अभिभावकों व अध्यापकों के साथ मिलकर स्वच्छता ही सेवा अभियान का प्रचार प्रसार हेतु पोस्टर पट्टिकाओं पर स्वच्छता से सम्बंधित नारे लिखकर बच्चों को ग्रामों में समुदाय के बीच रैली के माध्यम से बुलवाने को जागरूक किया गया ! संस्था टीम द्वारा ग्राम स्तरीय स्टेकहोल्डर (आशा, आंगनवाड़ी कार्यकत्री व विद्यालय के अध्यापकों) के साथ संपर्क व समन्वय बनाते हुए ग्राम स्तर पर जागरूकता रैली निकालने का प्लान बनाया गया और निश्चित प्लान के आधार पर सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर ग्राम स्तर पर जागरूकता रलियों क आयोजन किया गया जिसमे विद्यालय के बच्चों को साथ लेकर घर घर साफ़ सफाई का सन्देश दिया तथा ग्राम प्रधान के माध्यम से पंचायत स्तर पर साफ़ सफाई करवाने का प्लान बनाया गया ! रैली के दौरान बच्चों द्वारा बीच बीच में रैली को रोकर लोगों से बात चीत करते हुए अपने अपने घरों में साफ़ सफाई बनाये रखने का आह्वान किया साथ ही घरों की रखो सफाई तभी होगी देश में पढ़ाई, साफ़ सफाई अपनाओं गंदगी भगाओ, हम सबने ठाना है गॉव को स्वच्छ बनाना है, स्वच्छता ही सेवा है गन्दग ... ना योगदान, गन्दगी ... दे जागरूकता नारों के ... मों में रैलियों का आयो...

3 जागेश्वर न्यूज प्रदेश/बरेली

उत्तर प्रदेश में बेहतर स्वच्छता के लिए क्राई ने चलाया अभियान

स्वच्छ भारत अभियान के 10 वर्ष: आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में क्राई बना सहभागी

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बदायूं। चाइल्ड राइट्स एंड यू क्राई और समग्र विकास संस्थान द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के उत्तर प्रदेश के बदायूं भर में स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। मध्य सितंबर से अक्टूबर की शुरूआत तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों में बेहतर स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना था। अभियान ने विशेष रूप से बच्चों के बीच जल, सफाई एवं स्वच्छता यानि वॉश जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, जो एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देता है। इस वर्ष 2 अक्टूबर यानि गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे होने जा रहे हैं। यह अभियान महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो पूरे देश में स्थायी स्वच्छता और साफ-सफाई के तरीकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। अभियान के समापन पर बोलते हुए, क्राई नॉर्थ की क्षेत्रीय निदेशक सोहा मोइत्रा ने बच्चों के जीवन में वॉश के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "वॉश बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक है। स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुंच न केवल उन्हें बीमारी से बचाती है बल्कि स्कूल में उनकी उपस्थिति और भागीदारी भी सुनिश्चित करती है। खराब वॉश सुविधाएं उनके विकास में सीधी बाधा हैं, जिससे बच्चों खासतौर पर लड़कियों कि स्कूलों मे अधिक अनुपस्थिति होती है और उनके विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्कूलों और समुदायों में स्थायी वॉश प्रणालियों के निर्माण के लिए संगठनों, समुदायों और स्थानीय शासन के बीच सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण हैं। साथ मिलकर, हम बच्चों को एक सुरक्षित, स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकते हैं।" उन्होंने आगे जोर देकर कहा, "वॉश बच्चों के विकास और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से वंचित समुदायों में जहां स्वच्छ पानी और पर्याप्त स्वच्छता तक पहुंच अक्सर सीमित होती है। उचित स्वच्छता की कमी बीमारी, कुपोषण और चरम मामलों में मृत्यु का जोखिम बढ़ाती है। इसका शैक्षिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से लड़कियों के लिए, जो अपर्याप्त मासिक धर्म स्वच्छता सुविधाओं के कारण स्कूल छोड़ सकती हैं।" क्राई की भागीदारी ने बदायूं में स्थानीय समुदायों को जुटाया, जहां संगठन ने बेहतर स्वच्छता और सफाई की आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता और सहभागिता गतिविधियों का नेतृत्व किया। कार्यकत्री, 6 आंगनवाड़ी कार्यकत्री, 2 सहायिका तथा 4 एएनएम ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार कुल 1597 बच्चे, 364 लोग, 52 अध्यापक, 7 आशा कार्यकत्री, 6 आंगनवाड़ी कार्यकत्री, 2 सहायिका तथा 4 एएनएम तक पहुंच हुई। क्राई ने वॉश क्षेत्र में व्यापक पहल की है, जिसमें ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास का मूल्यांकन, वॉश मानकों का मानचित्रण, स्कूली बच्चों को हाथ धोने और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में शिक्षित करना, समुदाय को बीमारियों के शुरूआती लक्षणों के बारे में जागरूक करना, पानी की गुणवत्ता की जांच, स्कूल स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, और सामुदायिक शौचालयों के लिए पैरवी शामिल है। विशेष रूप से, सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशिष्ट कार्यक्रम लागू किए गए।

रेड हैन्डेड (हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) बरेली- बदायूँ-रामपुर 3

नई दिल्ली, बुधवार 2 अक्टूबर 2024 (पृष्ठ-8)

बेहतर स्वच्छता के लिए क्राई ने उत्तर प्रदेश में चलाया अभियान, 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में क्राई बना सहभागी

रेड हैन्डेड न्यूज

बदायूं। चाइल्ड राइट्स एंड यू क्राई और समग्र विकास संस्थान द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जिलेभर में स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। मध्य सितंबर से अक्टूबर की शुरूआत तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों में बेहतर स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना था। अभियान ने विशेष रूप से बच्चों के बीच जल, सफाई एवं स्वच्छता यानि वॉश जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जो स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देता है। इस वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे होने जा रहे हैं। यह अभियान महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित है जो पूरे देश में स्थायी स्वच्छता और साफ सफाई के तरीकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। अभियान के समापन पर बोलते हुए क्राई नॉर्थ की क्षेत्रीय निदेशक सोहा मोइत्रा ने बच्चों के जीवन में वॉश के महत्व पर प्रकाश डालते हुये उन्होंने कहा वॉश बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक है। स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुंच न केवल उन्हें बीमारी से बचाती है बल्कि स्कूल में उनकी उपस्थिति और भागीदारी भी सुनिश्चित करती है। खराब वॉश सुविधाएं उनके विकास में सीधी बाधा हैं जिससे बच्चों खासतौर पर लड़कियों कि स्कूलों मे अधिक अनुपस्थिति होती है और उनके विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्कूलों और समुदायों में स्थायी वॉश प्रणालियों के निर्माण के लिए संगठनों, समुदायों और स्थानीय शासन के बीच सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण हैं। साथ मिलकर हम बच्चों को एक सुरक्षित, स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा वॉश बच्चों के विकास और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है विशेष रूप से वंचित समुदायों में जहां स्वच्छ पानी और पर्याप्त स्वच्छता तक पहुंच अक्सर सीमित होती है। उचित स्वच्छता की कमी बीमारी, कुपोषण और चरम मामलों में मृत्यु का जोखिम बढ़ाती है। इसका शैक्षिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है विशेष रूप से लड़कियों के लिए जो अपर्याप्त मासिक धर्म स्वच्छता सुविधाओं के कारण स्कूल छोड़ सकती हैं। क्राई की भागीदारी ने स्थानीय समुदायों को जुटाया जहां संगठन ने बेहतर स्वच्छता और सफाई की आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता और सहभागिता गतिविधियों का नेतृत्व किया। परिषदीय विद्यालय में बच्चों व अध्यापकों के साथ जागरूकता बैठकें आयोजित हुई व बच्चों को हैंडवाश करवाया गया 15 स्कूलों में 995 बच्चों तथा 52 अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। ग्राम स्तर पर गठित बाल समूह, किशोर समूह व किशोरी समूह के साथ कुल 14 जागरूकता बैठकें आयोजित हुई जिसमें 228 बच्चों ने प्रतिभाग किया, बाल गतिविधि केन्द्रों पर 3 बाल पंचायत बैठकों के स्वच्छता के विषय पर जानकारी दी गई जिसमें 182 बच्चों ने प्रतिभाग किया बच्चों को हैंड वाश करने की प्रक्रिया भी सिखाई गई, ओबीसी महिला मण्डल के साथ 7 बैठकें आयोजित हुई जिसमें कुल 84 लोगों ने प्रतिभाग किया इसके अतिरिक्त 7 आशा कार्यकत्री, 6 आंगनवाड़ी कार्यकत्री, 2 सहायिका तथा 4 एएनएम ने प्रतिभाग किया, पोस्टर अभियान के माध्यम से 14 परिवारों के घर स्वच्छता से सबंधित पोस्टर लगवाए गए इससे लगभग 280 लोगों तक पहुंच हुई, 6 गॉव में 192 बच्चों के साथ मिलकर रैली निकवाई गई इस प्रकार कुल 1597 बच्चे, 364 लोग, 52 अध्यापक, 7 आशा कार्यकत्री, 6 आंगनवाड़ी कार्यकत्री, 2 सहायिका तथा 4 एएनएम तक पहुंच हुई। क्राई ने वॉश क्षेत्र में व्यापक पहल की है जिसमें ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास का मूल्यांकन, वॉश मानकों का मानचित्रण, स्कूली बच्चों को हाथ धोने और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में शिक्षित करना, समुदाय को बीमारियों के शुरूआती लक्षणों के बारे में जागरूक करना, पानी की गुणवत्ता की जांच, स्कूल स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, और सामुदायिक शौचालयों के लिए पैरवी शामिल है। विशेष रूप से, सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशिष्ट कार्यक्रम लागू किए गए।

"पूरी पढाई देश की भलाई" अभियान

CRY के सहयोग से, SVS ने "पूरी पैदाई देश की भलाई" अभियान की शुरुआत की! उत्तर प्रदेश के बदायूँ जिले में लड़कियों की पढाई को बढ़ावा देने के लिए इस अभियान की शुरुआत

पूरी पढाई देश की भलाई अभियान में समर्थन के रूप में हस्ताक्षर करते DM SDM तथा सिटी मजिस्ट्रेट

डी.एम.,

ए.डी.एम., सिटी मजिस्ट्रेट के साथ संयुक्त बैठक से हुई। एस.डी.एम., DIET के प्राचार्य, डी.आई.ओ.एस और बी.एस.ए. से बैठक के दौरान संगठन टीम ने अभियान के उद्देश्यों को समझाया और समर्थन मांगा ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके !

उपस्थित सभी अधिकारियों ने इसका समर्थन किया! उनके समर्थन पर हस्ताक्षर करके हस्ताक्षर अभियान चलाएं।

इसके अतिरिक्त, संगठन की टीम द्वारा जिले से हस्ताक्षर एकत्रित किये गये। ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के साथ-साथ जनता, विधायक, पूर्व मंत्री, ब्लॉक प्रमुख, पंचायत सदस्य जैसे प्रतिनिधि,एवं नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर पंचायत एवं समुदाय के सदस्य इस अभियान में शामिल हुए !

रैलियों के माध्यम से, टीम के सदस्यों ने यात्रा की और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता फैलाई और कम से कम 12वीं कक्षा लड़कियों को पढ़ने के लिए समुदाय को प्रोत्साहित किया ! नारा लेखन के माध्यम से बालिका शिक्षा का सन्देश गाँव गाँव तक पहुँचाने का प्रयास किया गया !

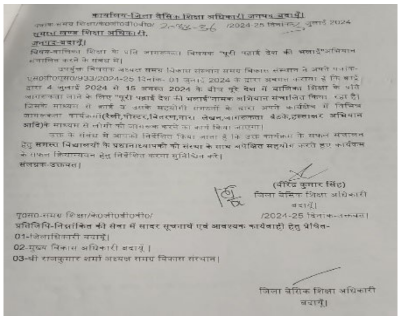

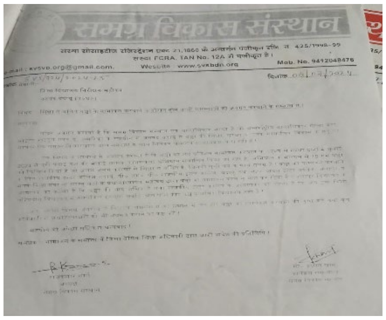

पूरी पढाई के समर्थन में BSA और DIOS द्वारा परिषदीय विद्यालयों के प्रधानध्यापक के लिए जारी पत्र

BSA व DIOS के माध्यम से पुरे जनपद में पूरी पढाई सेध की भलाई अभियान में सहयोग करने के लिए आदेश जारी किया गया ! इस आदेश के माध्यम से 100 से अधिक बच्चों का नामांकन करवाया गया !

जिव दया फाउंडेशन के साथ संस्था द्वारा किये गए कार्य :- संस्था पिछले 03 वर्षों से जिव दया फाउंडेशन के साथ मिलकर ब्लॉक उसावां के ऐसे 05 गाँव बल्ले नगला, अमीन नगला, ताराचन्द्र बछेली, टिकाई खाम तथा कोनका नगला को चिन्हित किया गया जोकि अत्यधिक निम्न स्थिति में हैं ! ये गाँव गंगा के किनारे बसे हुए होने के कारण इन गाँव में बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण से सम्बंधित बुनियादी सुबिधायें भी उपलब्ध नही है ! इन गाँव में संस्था जिव दया फाउंडेशन के सहयोग से 01 वर्ष से 05 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर कार्य कर रही है ! आज से 03 वर्ष पहले तक इन गाँव में कुपोषित बच्चों की संख्या बहुत अधिक थी क्योकि इन गाँव में बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य व पोषण से सम्बंधित कोई भी सुबिधा नही है ! इसके अंतर्गत बच्चों को दूध और पारलेजी बिस्कुट दिया जाता है ! बच्चों को दूध व बिस्कुट देने के लिए गाँव के ही एक सदस्य को वालेंटियर के रूप में चयनित किया गया है ! नियमित रूप से बच्चों के विकास का अवलोकन किया

जाता है ! 03-05 वर्ष तक के बच्चों को पोषण के साथ साथ विद्यालय पूर्व शिक्षा भी दी जाती है !

संस्था कार्यक्षेत्र के 02 गाँव बल्ले नगला और तारा चन्द्र बछेली ऐसे हैं जहाँ बच्चों के लिए कोई भी स्कूल नही है ! यहाँ के बच्चे पूरी तरह से शिक्षा से बंचित है ! जो अभिभावक अपने बच्चों मो पढाना चाहते हैं उन्हें बच्चों को 3-4 kmदूर भेजना पढता है जोकी अत्यधिक असुरक्षित है ! संस्था द्वारा इन गाँव के लोगों को विद्यालय की मांग के लिए जिला व राज्य स्तरीय पहल करने के लिए प्रेरित किया जिसमे संस्था द्वारा पूर्ण सहयोग करने का आश्वाशन दिया गया !

संस्था द्वारा गाँव के बच्चों व 180 परिवारों के लिए राशन किट (चावल, और दाल), 30 सोलर लैम्प (सोलर प्लेट के साथ), 150 बच्चों के लिए एजुकेशन किट (कॉपी, पुस्तक, पेंसिल, बॉक्स, स्लेट,बैग,आदि) तथा 150 बच्चों को यूनिफार्म, जूते मोज़े स्वेटर आदि वितरित किये गए !

ग्राम बल्ले नगला के समुदाय के लोगों ने स्थानीय विधायक से मिलकर गाँव में विद्यालय खोले जाने की मांग की :- ग्राम बल्लेनगला जोकि बिलकुल ही गंगा के किनारे पर बसा हुआ है ! इस गाँव में लगभग 40 परिवार हैं जिसमे 0 से 18 वर्ष के लगभग 146 बच्चें हैं ! इस गाँव में न ही बिजली की कोई व्यवस्था है और न ही कोई स्कूल है ! बच्चों को पढने के लिए 03 से 04 km दूर जाना पड़ता है ! संस्था अध्यक्ष ने समुदाय की एक बैठक का आयोजन करवाया जिसमे उपस्थित सभी सदस्यों को अपने बच्चों की शिक्षा के लिए पहल करने हेतु जागरूक किया ! सभी को बताया कि आप लोग जिले पर बेसिक शिक्षा विभाग स्थानीय विधायक तथा राज्य स्तर पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को लिखित पत्र के माध्यम से अपनी समस्या से अवगत करवाएं ! सभी सदयों को प्रेरित करते हुए बताया कि आपको संस्था द्वारा पूर्ण सहयोग दिया जायेगा ! संस्था आपको रास्ता दिखाएगी जिस पर चलना आपको स्वयं ही है ! समुदाय के सदस्यों ने संस्था अध्यक्ष की बात को समझते हुए विधायक राजीव कुमार से मुलाकात की और गाँव में विद्यालय खोले जाने की मांग की जिस परविधायक जी द्वारा समस्या को राज्य स्तर तक पहुचकर समाधान करवाने का आश्वाशन दिया है ! समुदाय के लोग भी समय समय पर प्रक्रिया का

अनुकरण कर रहे हैं ! अब समुदाय द्वारा विद्यालय की मांग के लिए राज्य स्तर तक पहल करने की योजना बनाई जा रही है!